अप्रैल में वस्तु व सेवा निर्यात छह प्रतिशत बढ़ा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: चालू वित्त वर्ष 2024-25 के पहले महीने यानी अप्रैल में वस्तु निर्यात में 1.08 प्रतिशत की वृद्धि रही है। इस दौरान 34.99 अरब डालर का निर्यात किया गया। वाणिज्य विभाग के मुताबिक, अप्रैल वस्तु आयात भी 10.27 प्रतिशत बढ़कर 54.09 अरब डालर रहा है। वस्तु निर्यात के लिए यह अच्छा संकेत है, क्योंकि गत वित्त वर्ष 2023-24 में वस्तु के निर्यात में 3.11 प्रतिशत तो इस साल मार्च में भी वस्तु निर्यात में 0.67 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

अप्रैल में वस्तु व सेवा निर्यात में पिछले वर्ष की समान अवधि से 6.88 प्रतिशत की वृद्धि रही है। इस दौरान इलेक्ट्रानिक्स, फार्मा, केमिकल्स, काटन यार्न, फैब्रिक, चाय, काफी के अच्छे प्रदर्शन से वस्तु निर्यात बढ़ा है। वहीं, दाल, सोना, खाद्य तेल, पेट्रोलियम जैसी वस्तुओं से कुल आयात में दहाई अंक का इजाफा रहा। वाणिज्य

पिछले महीने वस्तु निर्यात 1.08 प्रतिशत बढ़कर 34.99 अरब डालर और सेवा निर्यात 29.57 अरब डालर रहा

सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में निर्यात की अच्छी शुरुआत हुई है और निर्यातकों को मिल रहे आर्डर को देखते हुए आगे भी निर्यात में बढ़ोतरी की उम्मीद की जा रही है। वैश्विक स्तर पर भी व्यापार में मजबूती का अनुमान है और इससे भी भारतीय निर्यात को मदद मिलेगी। पिछले महीने दाल के आयात में 172 प्रतिशत, सोने में 208.99 प्रतिशत, दवा व फार्मा उत्पाद में 18.40 प्रतिशत, खाद्य तेल में 24 प्रतिशत और पेट्रोलियम उत्पादों में 20 प्रतिशत की वृद्धि रही है।

सेवा की बात करें तो पिछले महीने निर्यात 29.57 अरब डालर और आयात 16.97 अरब डालर रहा है। इस प्रकार अप्रैल के दौरान कुल व्यापार घाटा (निर्यात और आयात का अंतर) 19.1 अरब डालर रहा है, जो चार महीने के उच्च स्तर पर है।

इन वस्तुओं के निर्यात में वृद्धि

वस्तु	वृद्धि (%में)
इलेक्ट्रानिक्स उत्पाद	25.80
दवा व फार्मा उत्पाद	7.36
केमिकल्स	16.75
चाय	25.74
काफी	15.87
मसाला	13.22

मसाले की गुणवत्ता को लेकर देशों में अलग-अलग मानक

वाणिज्य विभाग के मुताबिक, मसाले की गुणवत्ता को लेकर वैश्विक स्तर पर कोई एक मानक नहीं है। अलग-अलग देशों में मसाले की गुणवत्ता के स्तर अलग-अलग है। अभी सिंगापुर व हांगकांग निर्यात होने वाले मसाले में एथलिन आक्साइड (ईटीओ) की मिलावट पाए जाने पर मसाले की खेप को वापस बुलाना पड़ा था। वाणिज्य विभाग के अधिकारी के मुताबिक, भारत ने वैश्विक स्तर पर ईटीओ मिलावट व गुणवत्ता का एक मानक तय करने का प्रस्ताव दिया है। मसाला बोर्ड ने निर्यात होने वाले मसालों की गुणवत्ता के दिशा-निर्देश तय करने के लिए कमेटी का भी गठन किया है।